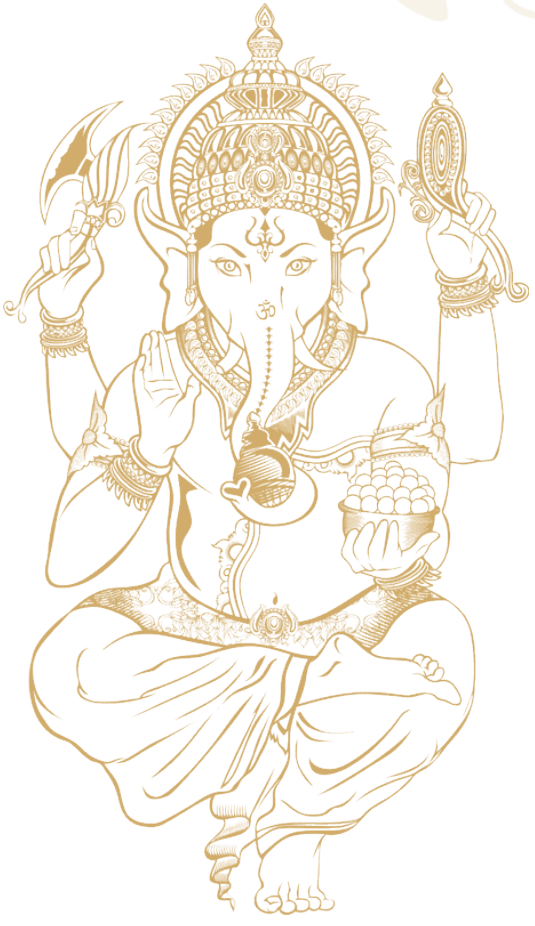

Anuj

01 Oct 1994

06:40 AM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121807102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/10/1994**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**06:40:00 घंटे**
इष्ट	01:13:49 घटी
स्थान	**Hathras**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:36:00 उत्तर
रेखांश	78:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:22:08 घंटे
वेलान्तर	00:10:11 घंटे
साम्पातिक काल	07:00:19 घंटे
सूर्योदय	06:10:28 घंटे
सूर्यास्त	18:04:27 घंटे
दिनमान	11:53:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	13:50:58 कन्या
लग्न के अंश	19:35:33 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्ध
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डीगेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	19:35:33	319:17:29	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कन्या	13:50:58	00:59:00	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	सम राशि
चंद्र			कर्क	19:28:22	13:20:48	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	स्वराशि
मंगल			कर्क	04:09:22	00:34:27	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध			तुला	09:19:07	00:44:22	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			तुला	21:17:34	00:11:43	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	21:33:30	00:24:44	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	13:09:00	00:03:35	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	21:39:55	00:04:48	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	21:39:55	00:04:48	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	28:36:05	00:00:03	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप	व		धनु	26:47:15	00:00:03	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:21:11	00:01:45	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मिथु	20:05:56	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:14

लग्न-चलित

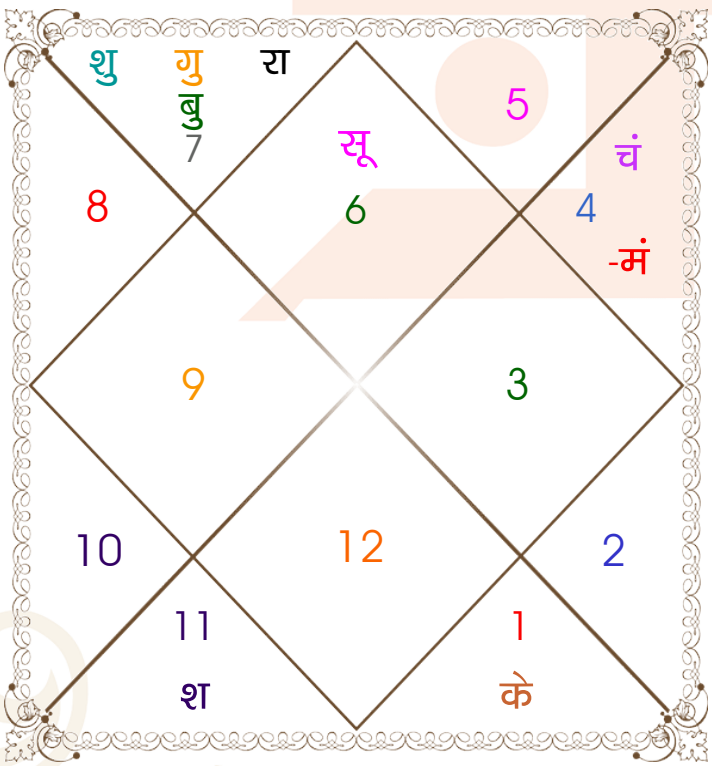

चन्द्र कुंडली

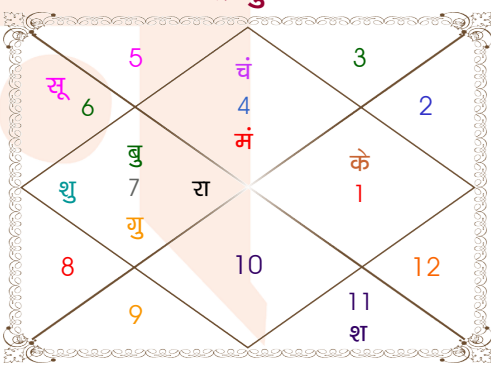

नवमांश कुंडली

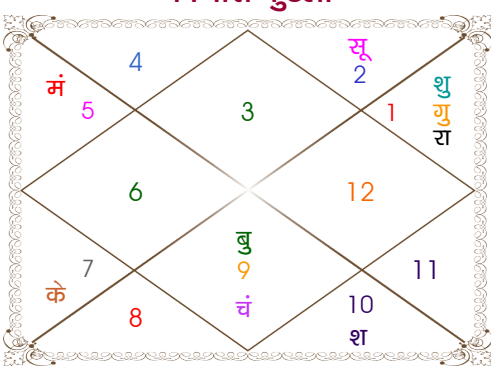

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 13 वर्ष 5 मास 2 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/10/1994		03/03/2008		04/03/2015		04/03/2035		04/03/2041	
03/03/2008		04/03/2015		04/03/2035		04/03/2041		04/03/2051	
	00/00/0000	केतु	30/07/2008	शुक्र	04/07/2018	सूर्य	22/06/2035	चंद्र	02/01/2042
	01/10/1994	शुक्र	30/09/2009	सूर्य	04/07/2019	चंद्र	21/12/2035	मंगल	03/08/2042
शुक्र	28/05/1997	सूर्य	04/02/2010	चंद्र	04/03/2021	मंगल	27/04/2036	राहु	02/02/2044
सूर्य	03/04/1998	चंद्र	05/09/2010	मंगल	04/05/2022	राहु	22/03/2037	गुरु	03/06/2045
चंद्र	03/09/1999	मंगल	02/02/2011	राहु	03/05/2025	गुरु	08/01/2038	शनि	02/01/2047
मंगल	30/08/2000	राहु	20/02/2012	गुरु	02/01/2028	शनि	21/12/2038	बुध	03/06/2048
राहु	19/03/2003	गुरु	26/01/2013	शनि	04/03/2031	बुध	27/10/2039	केतु	02/01/2049
गुरु	24/06/2005	शनि	07/03/2014	बुध	02/01/2034	केतु	03/03/2040	शुक्र	02/09/2050
शनि	03/03/2008	बुध	04/03/2015	केतु	04/03/2035	शुक्र	04/03/2041	सूर्य	04/03/2051

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/03/2051		04/03/2058		03/03/2076		03/03/2092		05/03/2111	
04/03/2058		03/03/2076		03/03/2092		05/03/2111		00/00/0000	
मंगल	31/07/2051	राहु	14/11/2060	गुरु	21/04/2078	शनि	07/03/2095	बुध	01/08/2113
राहु	18/08/2052	गुरु	10/04/2063	शनि	02/11/2080	बुध	14/11/2097	केतु	29/07/2114
गुरु	25/07/2053	शनि	13/02/2066	बुध	08/02/2083	केतु	24/12/2098	शुक्र	02/10/2114
शनि	02/09/2054	बुध	02/09/2068	केतु	15/01/2084	शुक्र	24/02/2102		00/00/0000
बुध	31/08/2055	केतु	20/09/2069	शुक्र	15/09/2086	सूर्य	06/02/2103		00/00/0000
केतु	27/01/2056	शुक्र	20/09/2072	सूर्य	04/07/2087	चंद्र	06/09/2104		00/00/0000
शुक्र	28/03/2057	सूर्य	15/08/2073	चंद्र	02/11/2088	मंगल	16/10/2105		00/00/0000
सूर्य	03/08/2057	चंद्र	14/02/2075	मंगल	09/10/2089	राहु	22/08/2108		00/00/0000
चंद्र	04/03/2058	मंगल	03/03/2076	राहु	03/03/2092	गुरु	05/03/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 13 वर्ष 4 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय है तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित प्राणी हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी व्यक्ति है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आते परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपकी पत्नी बुद्धिमति है तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकते हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपका अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्याम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकते हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकते हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें। आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति के प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करते रहते हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहते हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए रंग नीला, काला एवं लाल रंग अनुकूल नहीं है। आपको रंगों में पीला, सफेद, हरा एवं सूआपंखी रंग पूर्णतः अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।